MNIT जयपुर और IIIT कोटा के दीक्षांत समारोह, जयपुर में माननीय अध्यक्ष का संबोधन

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (MNIT) और राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान कोटा (IIIT, KOTA) के दीक्षांत समारोह में आकर आज मुझे बड़ी खुशी हो रही है।

MNIT के इस कैम्पस में मैं भारत की विभूति भारत रत्न महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी को नमन करता हूँ। देश के विकास में और नौजवानों की सुशिक्षित - संस्कारित पीढ़ी तैयार करने में महामना का अमूल्य योगदान रहा है। महामना के सिद्धांतों, उनके जीवन संदेशों पर चलकर आज इन प्रतिष्ठित संस्थानों में संस्कारित और सुशिक्षित पीढ़ी तैयार हो रही है। ये हमारे लिए सुखद है।

आज IIIT कोटा का दूसरा दीक्षांत समारोह भी MNIT के साथ ही आयोजित हो रहा है। कोटा के रानपुर में IIIT के कैम्पस का काम भी तेजी से चल रहा है। मुझे आशा है कि जल्द भी आपका शानदार कैम्पस बनकर तैयार होगा।

आज इस दीक्षांत समारोह में मैं अपने सामने हजारों नौजवानों को देख रहा हूँ, जो इन प्रतिष्ठित संस्थानों से निकल कर अब देश और समाज के विकास के लिए आगे बढ़ेंगे।

आज का यह दिन आपके लिए बेहद खास/विशेष है। जिस तरह कोई साधक/तपस्वी वर्षों तक साधना करता है और उसे सिद्धि मिलती है। उसी तरह आपने भी अपने B.Tech., M.Tech., PhD में कई वर्षों तक पढ़ाई की है, तब जाकर आपको ये उपाधि (डिग्री) मिल रही है। यह आपके लिए बहुत गौरव का पल है। और सिर्फ आपके लिए ही नहीं, बल्कि आपके माता – पिता, आपके शिक्षकों और मित्रों को भी आज खुशी होगी। आज आपके जीवन में एक नई उपलब्धि जुड़ जाएगी, एक नई पहचान जुड़ जाएगी।

अब से पहले जब आप अपना परिचय देते होंगे, तो आप अपना नाम बताते होंगे, आप कहाँ से हैं, ये बताते होंगे! लेकिन अब जब आप अपना परिचय देंगे तो ये भी बताएंगे कि मैंने MNIT से या IIIT से अपनी डिग्री की है।

आप देश के कुछ चुनिंदा लोगों में से हो। 140 करोड़ लोगों में से कितने स्टूडेंट्स होंगे, जिन्हें ऐसे प्रतिष्ठित संस्थानों में पढ़कर यहाँ से डिग्री हासिल करने का मौका मिलता होगा? केवल कुछ हजार! इसलिए इस डिग्री के साथ ही देश और समाज के लिए आपका दायित्व भी बढ़ जाता है। आने वाले समय में हमारा देश किस दिशा में और किस गति से विकास करेगा; ये आप होनहार नौजवानों की जिम्मेदारी है। इसके लिए आपको शुभकामनाएं देता हूँ।

दीक्षांत का अर्थ है दीक्षा का समापन और दीक्षा के समापन के साथ ही हमारे कर्तव्यों की शुरुआत भी होती है। हमारे यहाँ यह परंपरा नई नहीं है। हमारे देश में तो हजारों साल पहले गुरुकुलों में भी यही परंपरा थी, जहाँ दीक्षा प्राप्त करने के बाद व्यक्ति समाज और मानवता के कल्याण में लग जाता था।

हमारे उन गुरुकुलों में शिक्षा तो दी ही जाती थी, शिक्षा के साथ ही संस्कार भी दिए जाते थे। गुरुकुलों में ज्ञान और संवाद की समृद्ध परंपरा रही है। वहाँ अध्ययन की समग्र प्रणाली पर ध्यान दिया जाता था। वहाँ ज्ञान केवल किताबों तक ही सीमित नहीं होता था, बल्कि व्यावहारिक ज्ञान पर फोकस किया जाता था।

मुझे खुशी है कि MNIT और IIIT जैसे हमारे शिक्षण संस्थान आज उसी परंपरा के साथ विद्यार्थियों को शिक्षित कर रहे हैं। आज हमारे युवा इस बात को समझ रहे हैं कि शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ नौकरी करना और धन कमाना नहीं होता है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य व्यक्तित्व का निर्माण करना होता है। व्यक्तित्व के निर्माण से राष्ट्र का निर्माण हमारा ध्येय होना चाहिए।

व्यक्तित्व के निर्माण के लिए यह जरूरी है कि हम अपने मूल्यों से, अपनी जड़ों से जुड़े रहे। हम किसी की नकल नहीं करें, बल्कि हम अपनी संस्कृति पर गर्व करें। हम अपनी विरासत पर गर्व करें। क्योंकि बिना भारतीय संस्कारों के वह पीढ़ी तैयार नहीं हो सकती, जो देश के निर्माण में अपना पूरा योगदान दे सकें।

हमारा देश ज्ञान की सभ्यताओं की जननी रहा है। हमारे यहाँ नालंदा, तक्षशिला और विक्रमशीला जैसे उच्चस्तरीय एवं विश्वविख्यात शिक्षा संस्थान थे। दुनिया भर से अलग अलग देशों से लोग हमारे देश में आते थे, यहाँ के बारे में जानने आते थे, यहाँ का ज्ञान प्राप्त करते थे और फिर अपने देश में जाकर उस ज्ञान को फैलाते थे। हमारे रामायण, महाभारत और भारत के काव्यों – महाकाव्यों का दुनिया की कई भाषाओं में अनुवाद किया गया है।

आज भी हम देखते हैं कि दुनिया के देश सिर्फ आधुनिक विज्ञान में आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन हम आधुनिक विज्ञान के साथ हमारी संस्कृति-हमारे संस्कार लेकर चल रहे हैं। आज का विज्ञान, आज की तकनीकी समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकती है, मानवता का कल्याण कर सकती है। और मानवता के कल्याण का वह भाव हमारे देश के युवाओं के मन में है।

इसलिए आज भारत के डॉक्टर, भारत के इंजीनियर, भारत के साइन्टिस्ट, भारत के एंटरप्रिन्योर दुनिया में सबसे श्रेष्ठ हैं। हमारे युवा आधुनिक ज्ञान – विज्ञान के साथ मूल्यों और आदर्शों को लेकर आगे बढ़ रहे हैं।

पिछले कई दशकों से IIT, NIT और IIIT जैसे हमारे प्रतिष्ठित संस्थानों ने देश और मानव समाज की जरूरतों को सदा ध्यान में रखा है, और उनके समाधान के लिए काम किया है। जलवायु, पर्यावरण, मेडिकल, शिक्षा, संचार, सड़क से लेकर जीवन के कई क्षेत्रों में आपके अनुसंधान व आविष्कारों ने देश और समाज को नई दिशा दी है।

प्रौद्योगिकी और समाज का गहरा संबंध है। समाज प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाता है और फिर प्रौद्योगिकी समाज की समस्याओं को दूर कर उसका विकास करती है। इसलिए जब हमने प्रौद्योगिकी में उच्च शिक्षा प्राप्त की है, तो यह हमारा दायित्व है कि हम अब प्रौद्योगिकी के उपयोग से सोसायटी के लिए बेहतर करें। इसके लिए हमें सोसायटी और लोगों से जुड़कर मूल समस्याओं और मुद्दों को समझना होगा। क्योंकि जब तक आप धरातल पर आम व्यक्ति की समस्याओं को देखोगे नहीं, तब तक आप उसका उचित समाधान नहीं दे सकते। जब तक आप जमीनी कार्य नहीं करेंगे, तब तक आप वो समाधान नहीं खोज सकते।

अपना विकास तो सभी करते हैं, लेकिन दूसरों के लिए हमने क्या किया, मानवता के लिए हमने क्या किया, सोसायटी और देश के लिए हमने क्या किया; यह बात मायने रखती है।

आज बिजली के बिल से लेकर स्कूल – कॉलेज की फीस, किसी एग्जाम का फ़ॉर्म सब ऑनलाइन हो गया है। बर्थ सर्टिफिकेट से लेकर ड्राइविंग लिसेंस तक हर काम ऑनलाइन हुआ है और इससे लोगों को सुविधा हुई है।

इसका एक उदाहरण मैं आपको देता हूँ। भारत सरकार का एक "ई-संजीवनी" टेलीमेडिसिन प्लेटफ़ॉर्म है। जिस पर रजिस्ट्रेशन कर गाँव-कस्बे का व्यक्ति, देश के कोने में बैठा व्यक्ति एक्सपर्ट डॉक्टर से ऑनलाइन ओपोइंटमेंट बुक कर सकता है और जो भी हैल्थ प्रोब्लेम है, उसके लिए वहाँ परामर्श ले सकता है।

मेरी जानकारी में आया है कि अब तक 10 करोड़ से अधिक लोगों ने "ई-संजीवनी" प्लेटफ़ॉर्म से लाभ उठाया है। इसी तरह हमारा एक ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म है, "स्वयं" आज "स्वयं" से जुड़कर देश में करीब 3 करोड़ लोग ऑनलाइन शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। सरकार के "उमंग" मोबाईल एप्लीकेशन पर हम देखते हैं कि सभी सरकारी काम वहाँ सरलता से हो रहे हैं।

ये सिर्फ कुछ एक उदाहरण हैं, जहाँ तकनीकी और प्रौद्योगिकी देश में व्यापक सकारात्मक बदलाव ला रही है। इसके अलावा भी ऐसे कई उदाहरण हैं। हम MNIT और IIIT के स्टूडेंट्स हैं। यहाँ हम किस तरह से सहयोग कर सकते हैं, इस पर हमें विचार करना चाहिए।

आज समाज/दुनिया के सामने जो समस्याएं हैं! जो विषय हैं, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, युद्ध और अशांति, आतंकवाद, महिला सशक्तिकरण, गरीबी, असमानता। ऐसी हर एक समस्या से निबटने, इनके बारे में अपनी समझ विकसित करने और इनका समाधान सामने लाने की जिम्मेदारी हमारे युवाओं को उठानी होगी।

आप युवाओं का सामर्थ्य ही है कि देश में स्टार्टअप्स की संख्या लगातार तेजी से बढ़ रही है। आज हमारे देश में स्टार्टअप्स की संख्या 93 हजार से अधिक हो चुकी है। 100 से ज्यादा यूनिकॉर्न हमारे देश में तैयार हुए हैं। मुझे बताया गया है कि एमएनआईटी इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर के पास भी 110 स्टार्टअप्स का ईको सिस्टम है।

आपका संस्थान पर्यावरण और सोसायटी के लिए भी सक्रिय रूप से काम कर रहा है। कचरे के रिसाइकिल, वॉटर ट्रीटमेंट सिस्टम, सोलर सिस्टम जैसे उपायों पर आप काम कर रहे हैं। मुझे यह भी बताया गया है कि आपके संस्थान (MNIT) ने राजस्थान के 11 जिलों के 280 से अधिक गाँवों को गोद लिया है। इन कदमों के लिए मैं आपको शुभकामनाएं देता हूँ।

हमारे देश ने अपनी स्वाधीनता के 75 वर्ष पूरे कर लिए हैं। अब अगले 25 वर्षों में देश विकास के नए सपने लेकर चल रहा है। आजादी के अमृतकाल की इस यात्रा में MNIT, IIIT जी संस्थानों और यहाँ के काबिल विद्यार्थियों की भूमिका सर्वप्रमुख होगी, मुझे ऐसा विश्वास है।

आज अपने संस्थान से डिग्री लेकर जब आप कॅरियर के लिए कैम्पस से बाहर की दुनिया में जाएंगे, तब आप देखेंगे कि यहाँ जो आपने सीखा है, यहाँ जो शिक्षा प्राप्त हुई है, यहाँ का ज्ञान और संस्कार आपको हमेशा आगे बढ़ाएगा।

लेकिन इसके साथ ही एक बात मानकर चलिए कि कोई भी विद्यार्थी दो तरीके से ज्ञान हासिल करता है। पहला, अपने शिक्षण संस्थान से और दूसरा, शिक्षण संस्थान से बाहर निकलकर वास्तविक जीवन से। दोनों ही एक दूसरे से कम नहीं है। दोनों ही तरीकों में अध्ययन लगातार होना चाहिए। तभी जीवन में सफलता प्राप्त की जा सकती है। इसलिए मैं आपको यही संदेश दूंगा कि सीखना लगातार जारी रखें। हमेशा सीखते रहें, और आगे बढ़ते रहें। इसलिए हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी ने युवाओं के लिए एक वाक्य कहा है – स्किल, रिस्किल और अपस्किल ।

आप विज्ञान के विद्यार्थी हैं। ये बात अच्छे से समझते हैं कि कोई भी खोज अंतिम नहीं होती। जिस तरह विज्ञान और तकनीकी में हमेशा अपडेट आते रहते हैं, उसी तरह हमारी जानकारी भी हमेशा अद्यतन होती रहनी चाहिए।

इसी संदेश के साथ मैं आपको उज्ज्वल भविष्य के लिए बहुत बहुत शुभकामनाएं देता हूँ।

मुझे विश्वास है कि IIIT कोटा और MNIT के आप युवाओं से देश के हर युवा को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी, उन्हें प्रोत्साहित मिलेगा। आप हमेशा इसी भाव और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ें। आपको बहुत बहुत शुभकामनाएं।